सेंट एण्ड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली –92 विषय - हिन्दी

कक्षा -6 अभ्यास पत्रिका

प्रश्न1. निम्न गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

हमें कुछ-न-कुछ निरंतर सीखते रहना चाहिए, नई-नई सूचनाएँ प्राप्त करनी चाहिए। बौद्धिक विकास तो निरंतर चलता रहता है। शिक्षित व्यक्ति वही है जो जब तक जीता है तब तक सीखता ही रहता है और कोई भी समय ऐसा नहीं होता जिसमें उसने कुछ ना सीखा हो। विज्ञान तथा कला निरंतर विकसित हो रही है। अतः बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत गहन अध्ययन करना चाहिए। मनुष्य की सच्ची संपदा वही सच्चा ज्ञान है जो उसने अपना लिया है। सीखे हुए ज्ञान को न बाँट सकते हैं, न चुरा सकते हैं। छात्रों को चाहिए की पटरियों पर बिकने वाली पत्र-पत्रिकाएँ छोड़कर ज्ञान-वर्धन वाली पुस्तकें पढ़े, महापुरुषों की जीवनियाँ पढ़े। यदि एक बार हमने पढ़ने का अभ्यास डाल लिया तो हमारा जीवन ही बदल जाएगा।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

- १) किस व्यक्ति को शिक्षित कहा जा सकता है?
- २) बौद्धिक विकास के लिए गहन अध्ययन की क्यों आवश्यकता है?
- 3) ज्ञान को मन्ष्य की सच्ची संपदा क्यों कहा गया है?
- ४) विद्यार्थियों को किस प्रकार की पुस्तक पढ़ने की आदत डालनी चाहिए?
- प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखें।

१) स्त्री - २) मिठाई- ३) धातु- ४) कुसी-
प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों को देशज ,विदेशी, रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्दों
के अंतर्गत लिखिए।
डिबिया, पुस्तकालय, हलधर, तारा, अस्पताल
प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए।
१) धनवान - २) ठाकुर- ३) लाला - ४) दर्जी -
प्रश्न 5 निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।
१) पादप- २) अश्रु- ३) कंटक- ४) दंत-
प्रश्न 6 निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।
१) हाथी-
प्रश्न 7.निम्न शब्दो का वर्ण विच्छेद कीजिए।
१) त्रिशूल- २) प्रातः-
प्रश्न 8 निम्नलिखित रिक्त स्थानों को भरिए।
१) जो भाषा को शुद्ध रूप से बोलना पाढ़ना वह लिखना सीखता है कहलाता है ।
२)य, र, ल व, व्यंजन कहलाते हैं।
३) कन्नड़ भाषा की लिपि है।
४) शब्द के वर्णों को अलग-अलग करके लिखना कहलाता है।
प्रश्न 9 द्वित्व व्यंजन के दो उदाहरण लिखिए।

प्र॰10) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

- १) आँच न आने देना -
- २) उल्टी गंगा बहना -
- ३) गिरगिट की तरह रंग बदलना-
- ४) कलेजा मुँह को आना -